शांत संगीत - बग़दाद से एक कहानी

जेम्स रुम्फोर्ड, हिंदी : विदूषक

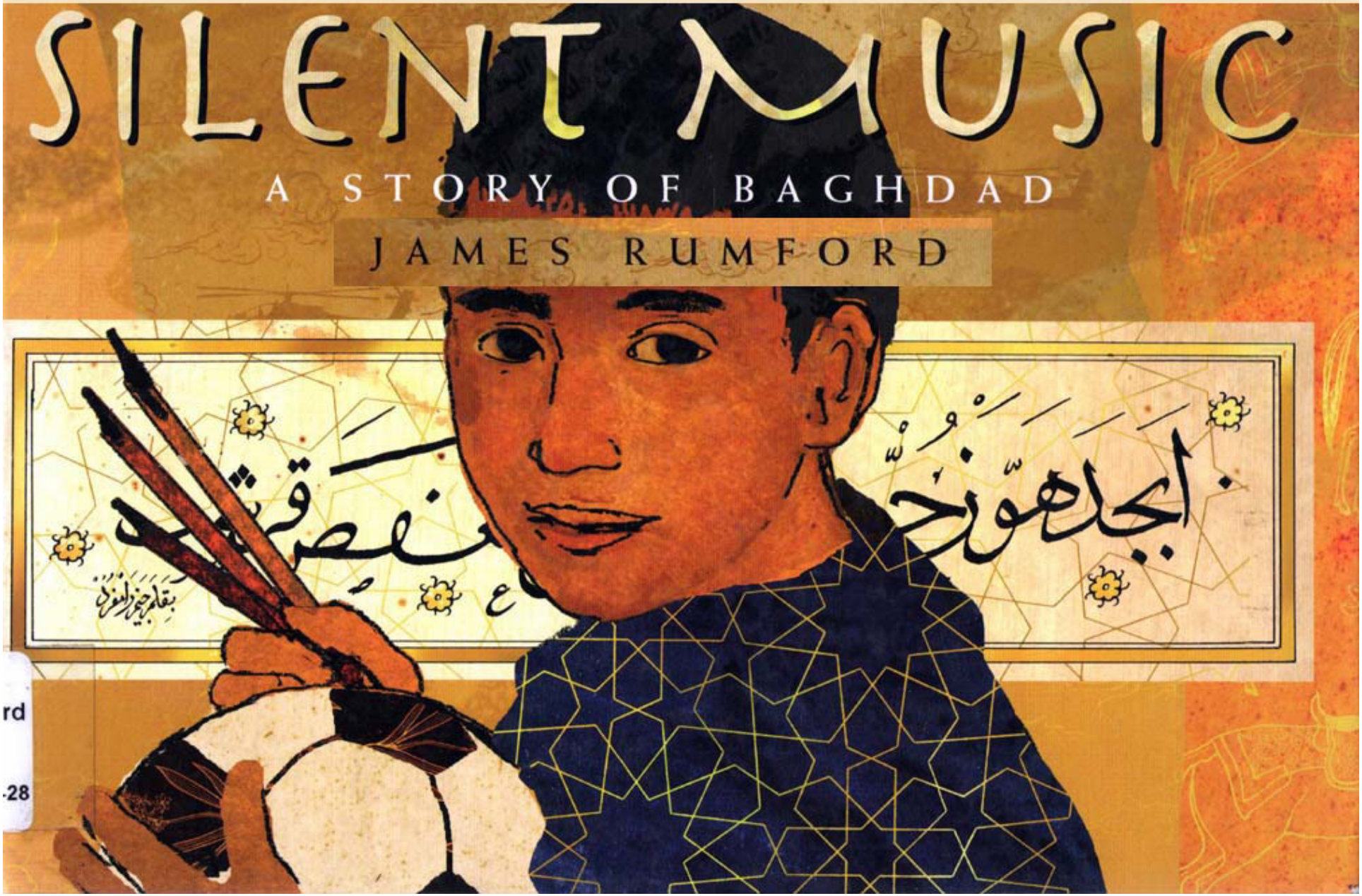

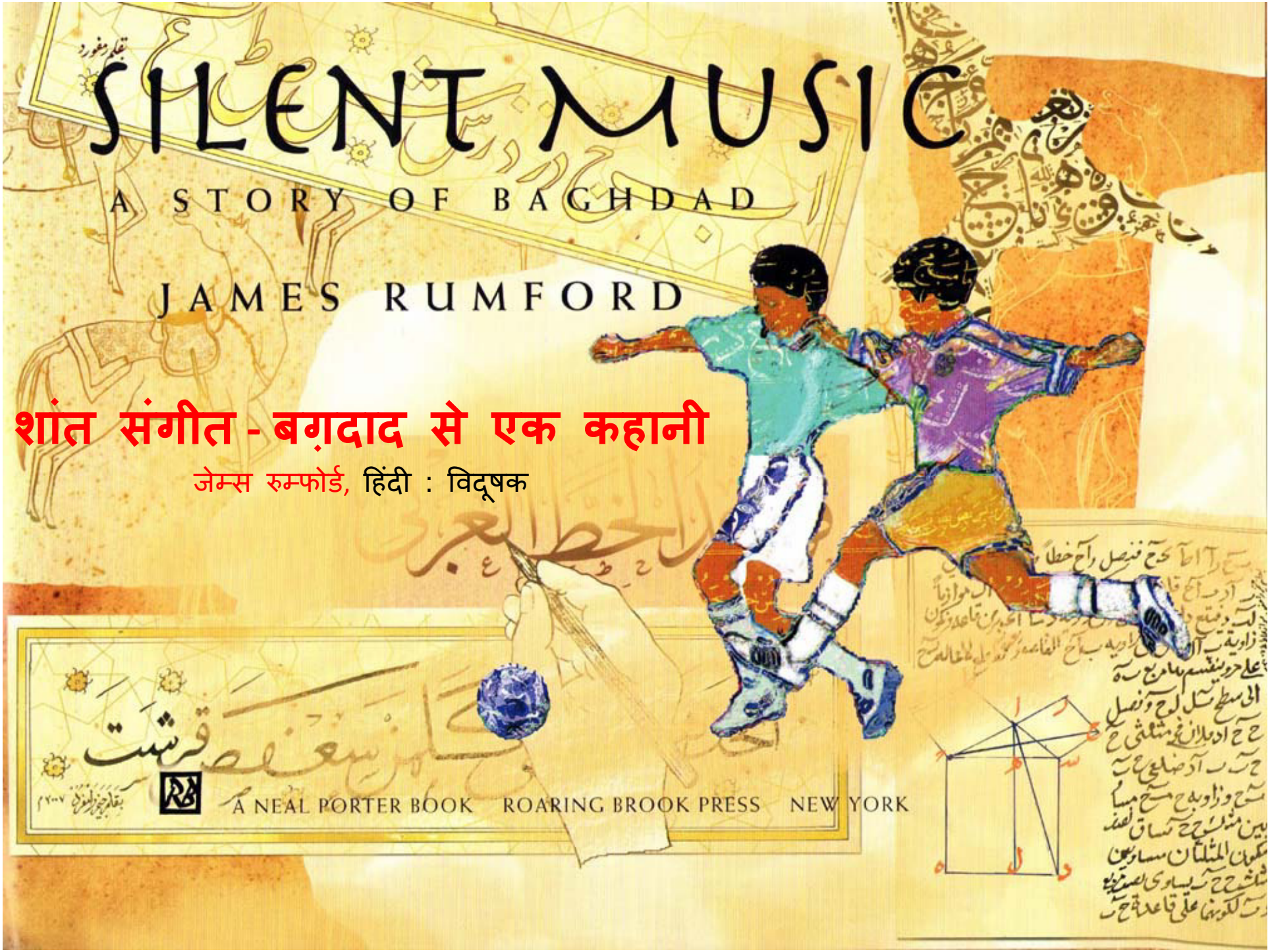

शांत संगीत - बग़दाद से एक कहानी

जेम्स रुम्फोर्ड, हिंदी : विदूषक

إسمي علي
Ismi Ali—My name is Ali.
My name is Ali.
I live in Baghdad.
मेरा नाम अली है.
और मैं बग़दाद में रहता हूँ.
IRAQ
POSTAGE
World Cup Championship
France 1998
250 DINARS
FRANCE 98
COUPE DU MONDE
WORLD CUP
CHAMPIONSHIP
FRANCE
250
DINARS

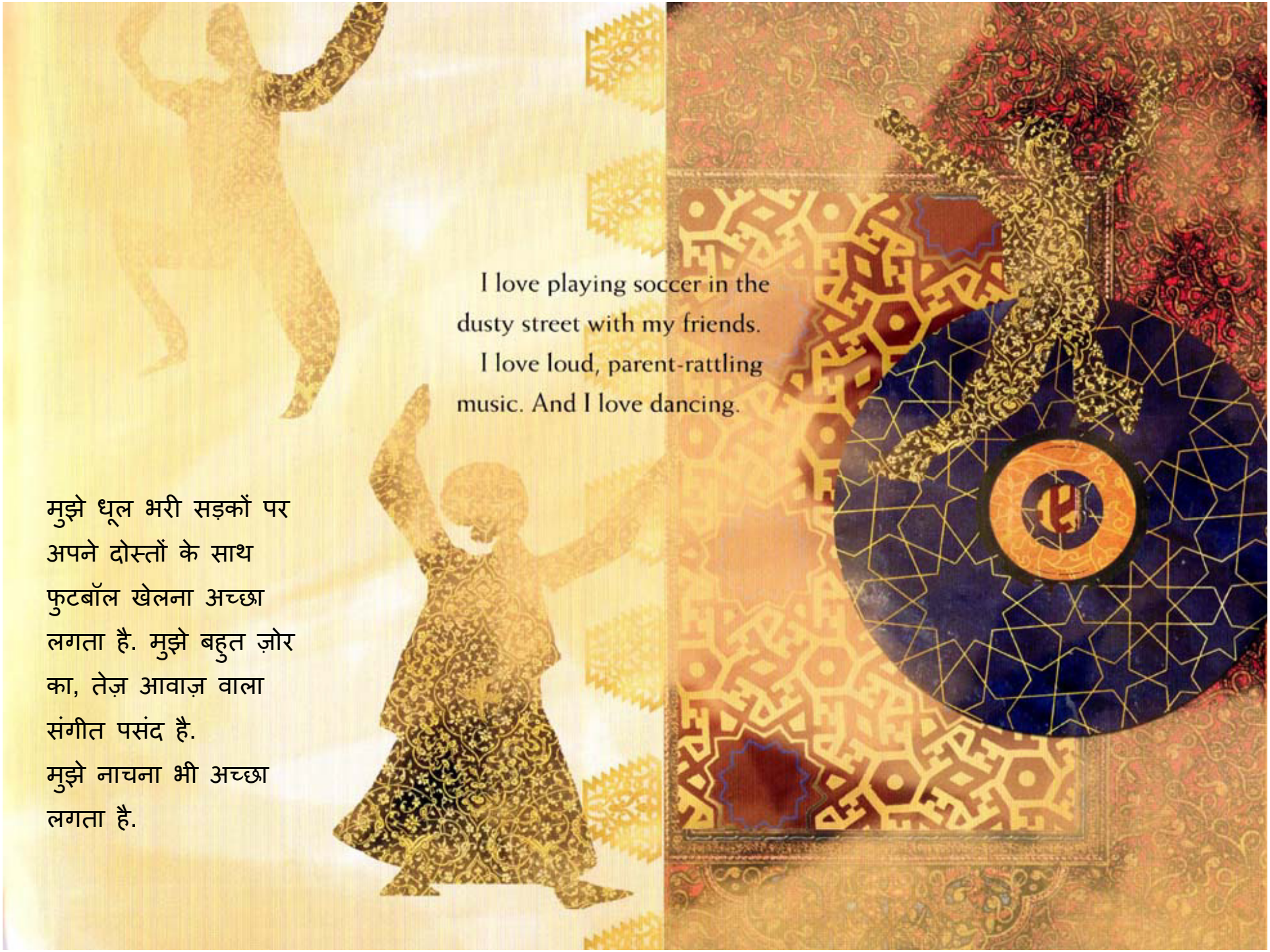

मुझे धूल भरी सड़कों पर
अपने दोस्तों के साथ
फुटबॉल खेलना अच्छा
लगता है. मुझे बहुत ज़ोर
का, तेज़ आवाज़ वाला
संगीत पसंद है.
मुझे नाचना भी अच्छा
लगता है.

पर मुझे सबसे ज्यादा पसंद है कैलीग्राफी. मेरी भाषा – अरबी, कैलीग्राफी में लिखी जाती है. अरबी, कागज़ पर दायें से बाएं लिखी जाती है.

मुझे स्याही वाले कलम से लिखने में मज़ा आता है. कलम को स्याही में बार-बार डुबोना पड़ता है. कलम मेरे दिमाग में चल रहे संगीत की धुन पर चलती है, कुलांचे मारती है और नाचती है.

But most of all, I love calligraphy—writing the letters of my language and making them go from right to left across the page.

I love to make the ink flow—from my pen stopping and starting, gliding and sweeping, leaping, dancing to the silent music in my head.

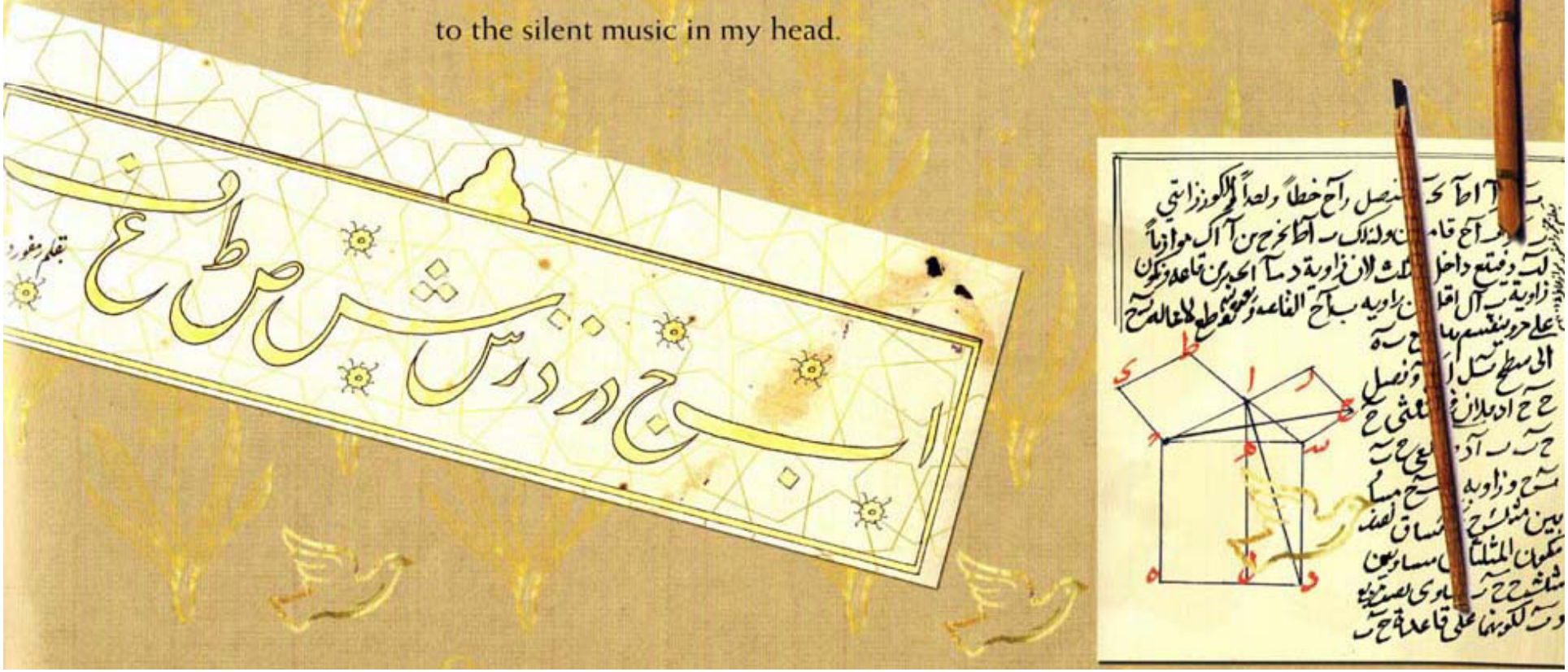

लम्बा वाक्य लिखना, कुछ-कुछ फुटबॉल के खेल को स्लो-मोशन में देखने जैसा होता है - जिसमें गेंद, मैदान के एक से दूसरे-कोने तक, लहराती हुई जाती है. बिल्कुल उसी तरह अरबी लिखते समय मैं भी अपने पीछे, बिंदियों और छल्लों का एक ज़खीरा छोड़ता जाता हूँ.

Writing a long sentence is like watching a soccer player in slow motion as he kicks the ball across the field, as I leave a trail of dots and loops behind me.

ابجد هوز حطي كلمن
A B J D H W Z H T Y K L M N

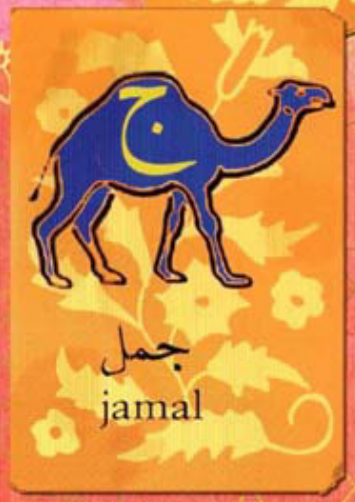

कुछ शब्दों को, अन्य की तुलना में, लिखना आसान होता है. कुछ शब्दों के अक्षर एक-दूसरे में जुड़कर बड़े खूबसूरत आकर बनाते हैं. मिसाल के लिए मेरी बहन – **यास्मीन** का नाम. बहन का नाम लिखते वक्त मेरी कलम कागज़ पर बस तैरती चली जाती है.

Some words are easier to write than others. Their letters loop together and make beautiful shapes all by themselves—like the word Yasmin, my little sister's name. It just flows from my pen.

یاسمین

यह मेरी बहन का नाम है – **यास्मीन**.

My little sister's name.

الصبر مفتاح الصلح

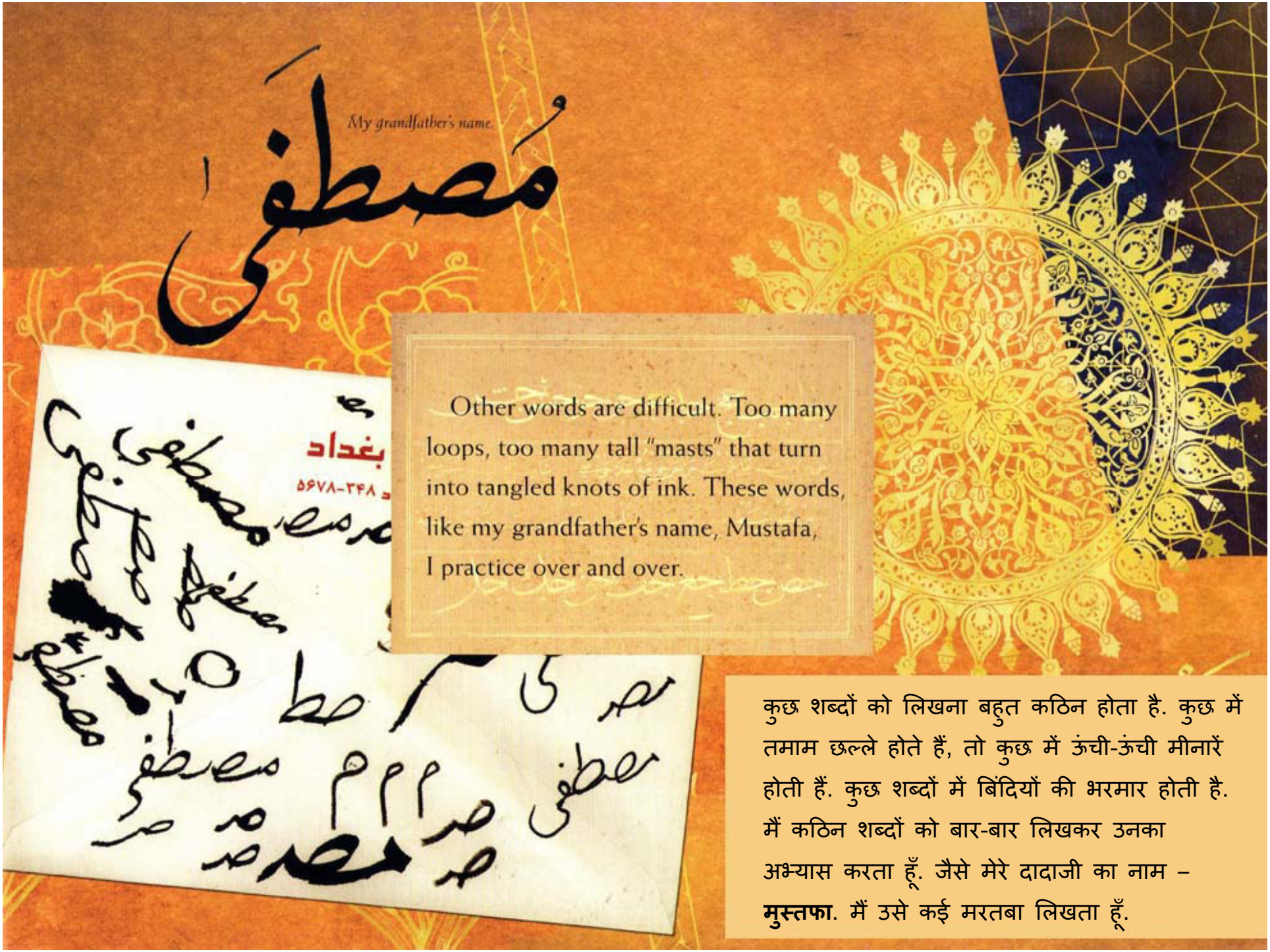

कुछ शब्दों को लिखना बहुत कठिन होता है. कुछ में तमाम छल्ले होते हैं, तो कुछ में ऊंची-ऊंची मीनारें होती हैं. कुछ शब्दों में बिंदियों की भरमार होती है. मैं कठिन शब्दों को बार-बार लिखकर उनका अभ्यास करता हूँ. जैसे मेरे दादाजी का नाम – **मुस्तफा**. मैं उसे कई मरतबा लिखता हूँ.

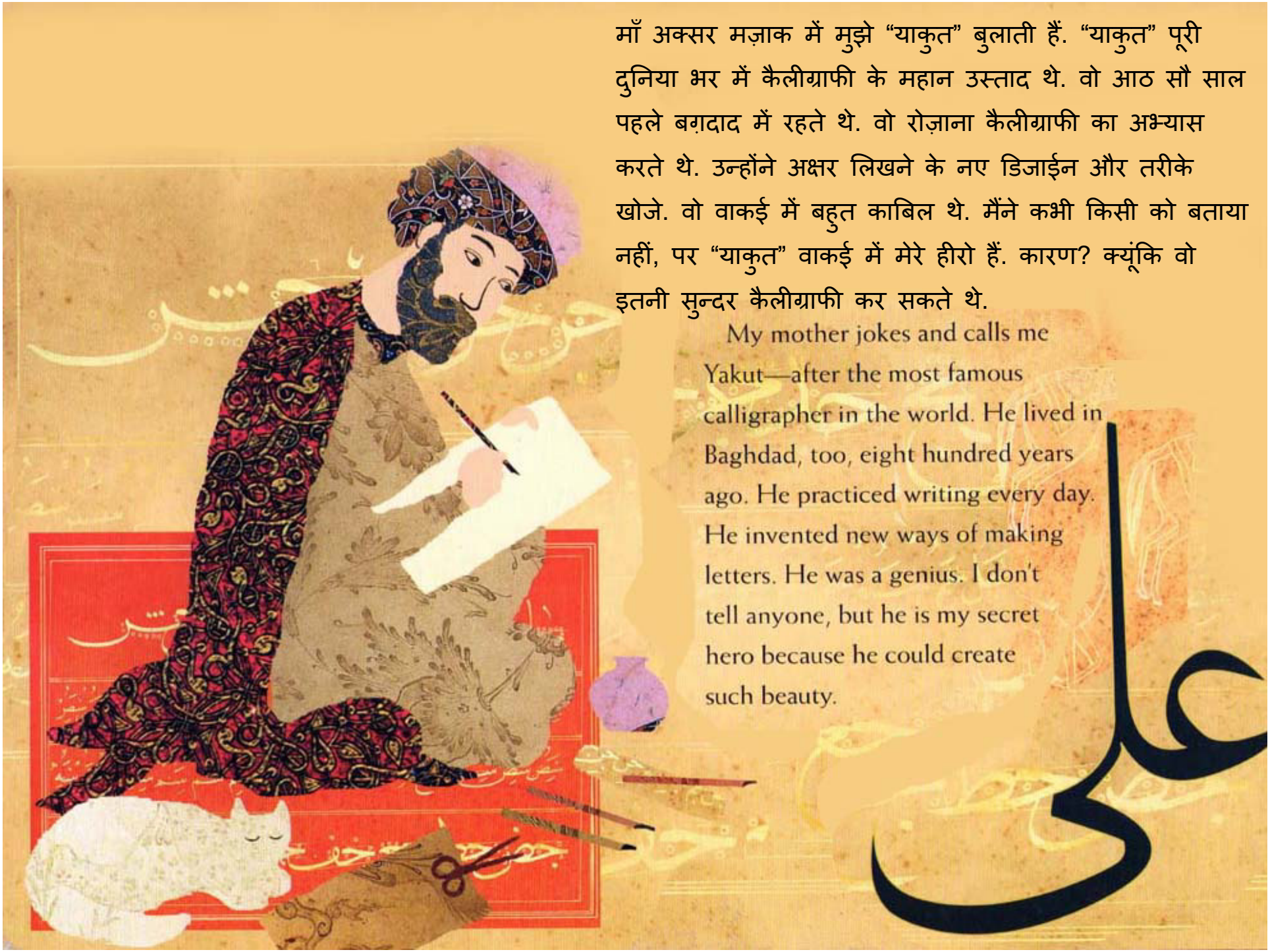

माँ अक्सर मज़ाक में मुझे “याकुत” बुलाती हैं. “याकुत” पूरी दुनिया भर में कैलीग्राफी के महान उस्ताद थे. वो आठ सौ साल पहले बग़दाद में रहते थे. वो रोज़ाना कैलीग्राफी का अभ्यास करते थे. उन्होंने अक्षर लिखने के नए डिजाईन और तरीके खोजे. वो वाकई में बहुत काबिल थे. मैंने कभी किसी को बताया नहीं, पर “याकुत” वाकई में मेरे हीरो हैं. कारण? क्यूंकि वो इतनी सुन्दर कैलीग्राफी कर सकते थे.

My mother jokes and calls me Yakut—after the most famous calligrapher in the world. He lived in Baghdad, too, eight hundred years ago. He practiced writing every day. He invented new ways of making letters. He was a genius. I don't tell anyone, but he is my secret hero because he could create such beauty.

ماذا عن
العشاء
ملح

There is a story they tell of Yakut. One fearful day in the year 1258, Mongols attacked Baghdad. As they burned the city and killed hundreds of thousands of people, Yakut fled to a high tower.

अक्सर लोग “याकुत” की यह कहानी सुनाते हैं. साल 1258 में, एक खौफनाक दिन, मंगोल लोगों ने बग़दाद पर आक्रमण किया. जब मंगोल पूरे शहर को जला रहे थे और सैकड़ों-हजारों लोगों को क़त्ल कर रहे थे तब “याकुत” बचने के लिए एक ऊंची मीनार पर चढ़ गए.

वहां पर बैठकर “याकुत” ने एक अनूठी सुन्दरता रची. उस खौफनाक माहौल को पीछे छोड़कर उन्होंने बेहद कारीगिरी और खूबसूरती से कैलीग्राफी रची.

There, Yakut created beauty. He shut out the horror and wrote glistening letters of rhythm and grace.

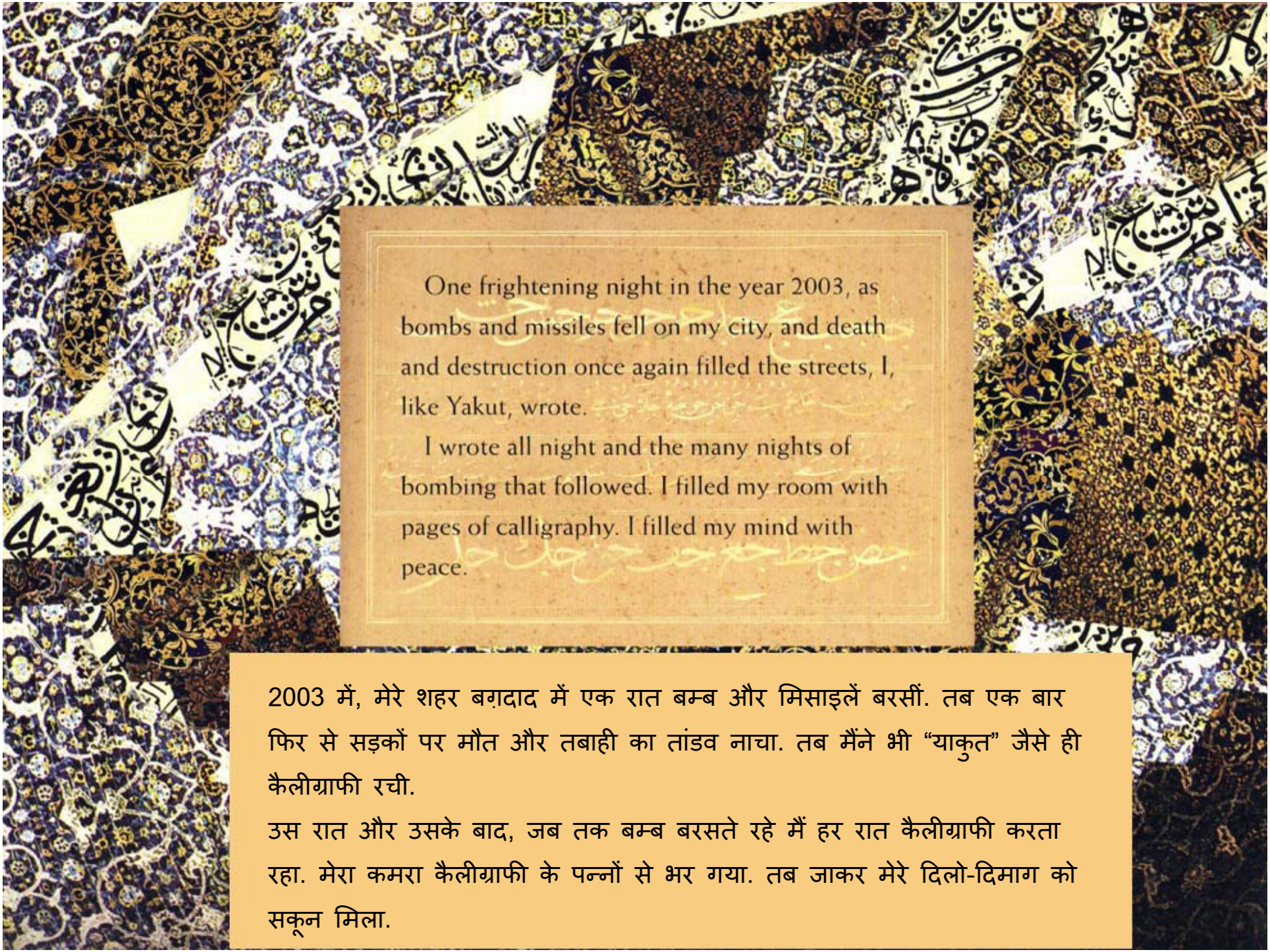

2003 में, मेरे शहर बग़दाद में एक रात बम्ब और मिसाइलें बरसीं. तब एक बार फिर से सड़कों पर मौत और तबाही का तांडव नाचा. तब मैंने भी “याकुत” जैसे ही कैलीग्राफी रची.

उस रात और उसके बाद, जब तक बम्ब बरसते रहे मैं हर रात कैलीग्राफी करता रहा. मेरा कमरा कैलीग्राफी के पन्नों से भर गया. तब जाकर मेरे दिलो-दिमाग को सकून मिला.

انى ارقت قبيت الليل
ساهرة
كانما

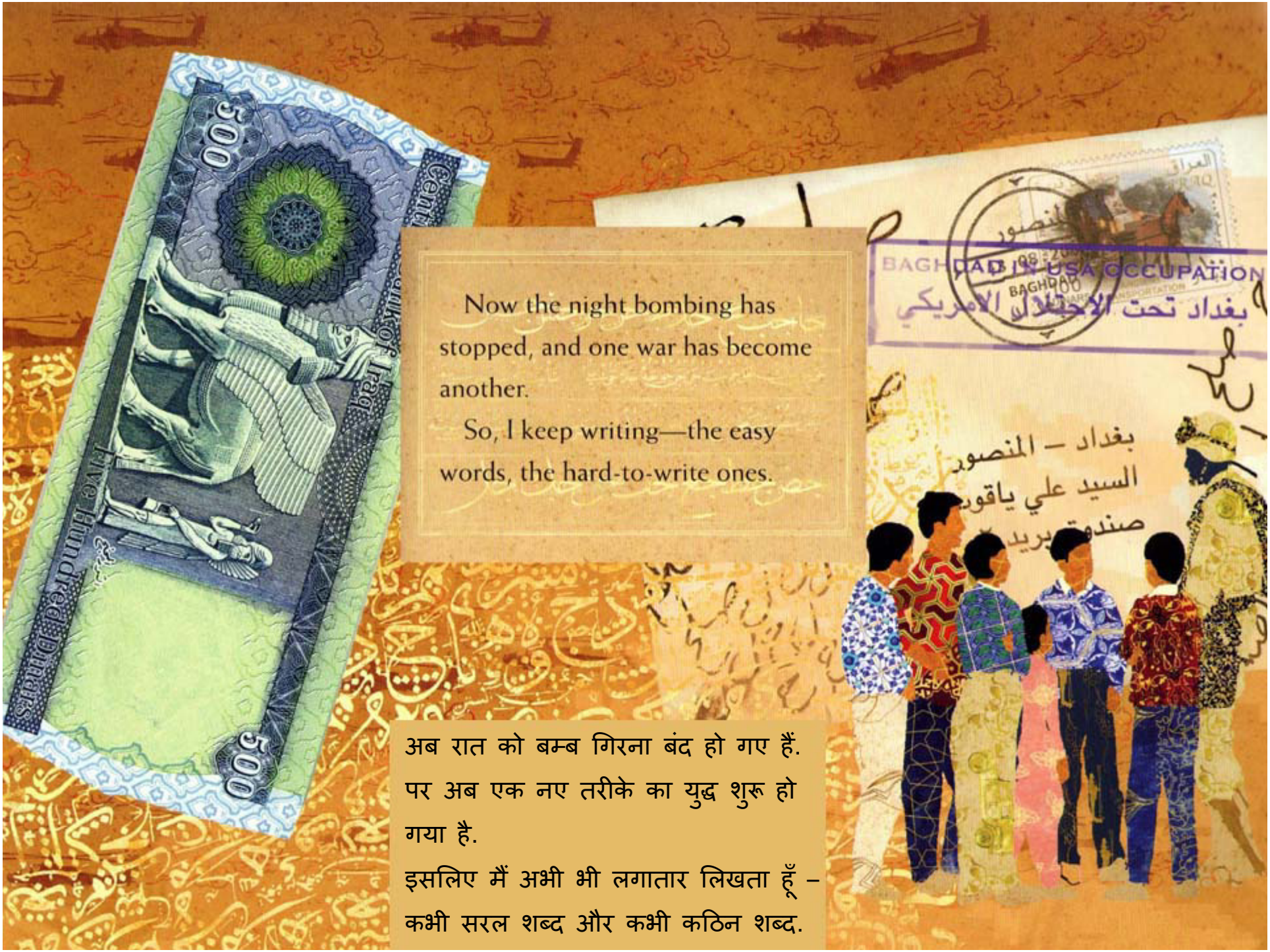

Now the night bombing has stopped, and one war has become another.

So, I keep writing—the easy words, the hard-to-write ones.

अब रात को बम्ब गिरना बंद हो गए हैं. पर अब एक नए तरीके का युद्ध शुरू हो गया है.

इसलिए मैं अभी भी लगातार लिखता हूँ – कभी सरल शब्द और कभी कठिन शब्द.

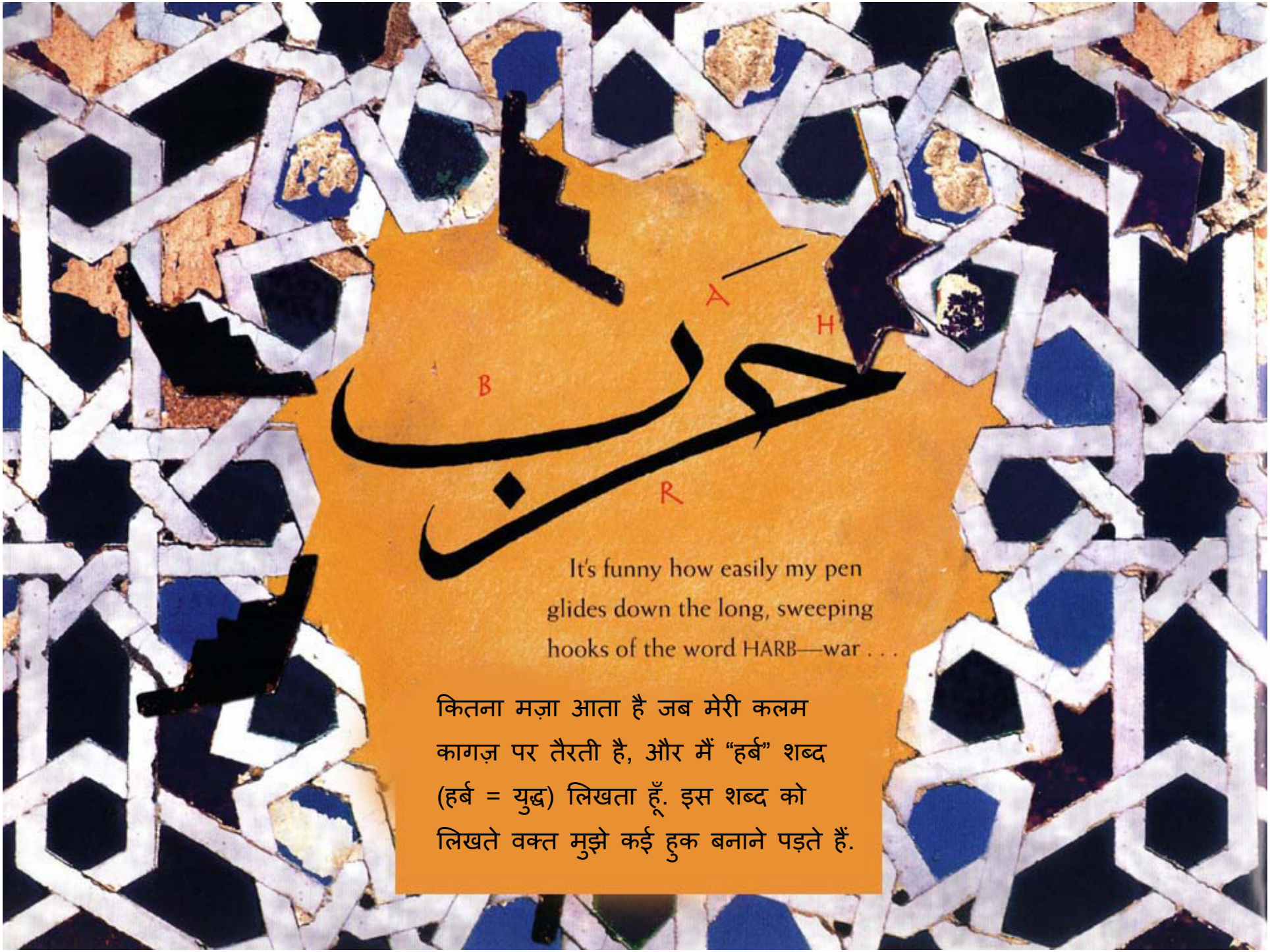

It's funny how easily my pen
glides down the long, sweeping
hooks of the word HARB—war . . .

कितना मज़ा आता है जब मेरी कलम
कागज़ पर तैरती है, और मैं "हर्ब" शब्द
(हर्ब = युद्ध) लिखता हूँ. इस शब्द को
लिखते वक्त मुझे कई हुक बनाने पड़ते हैं.

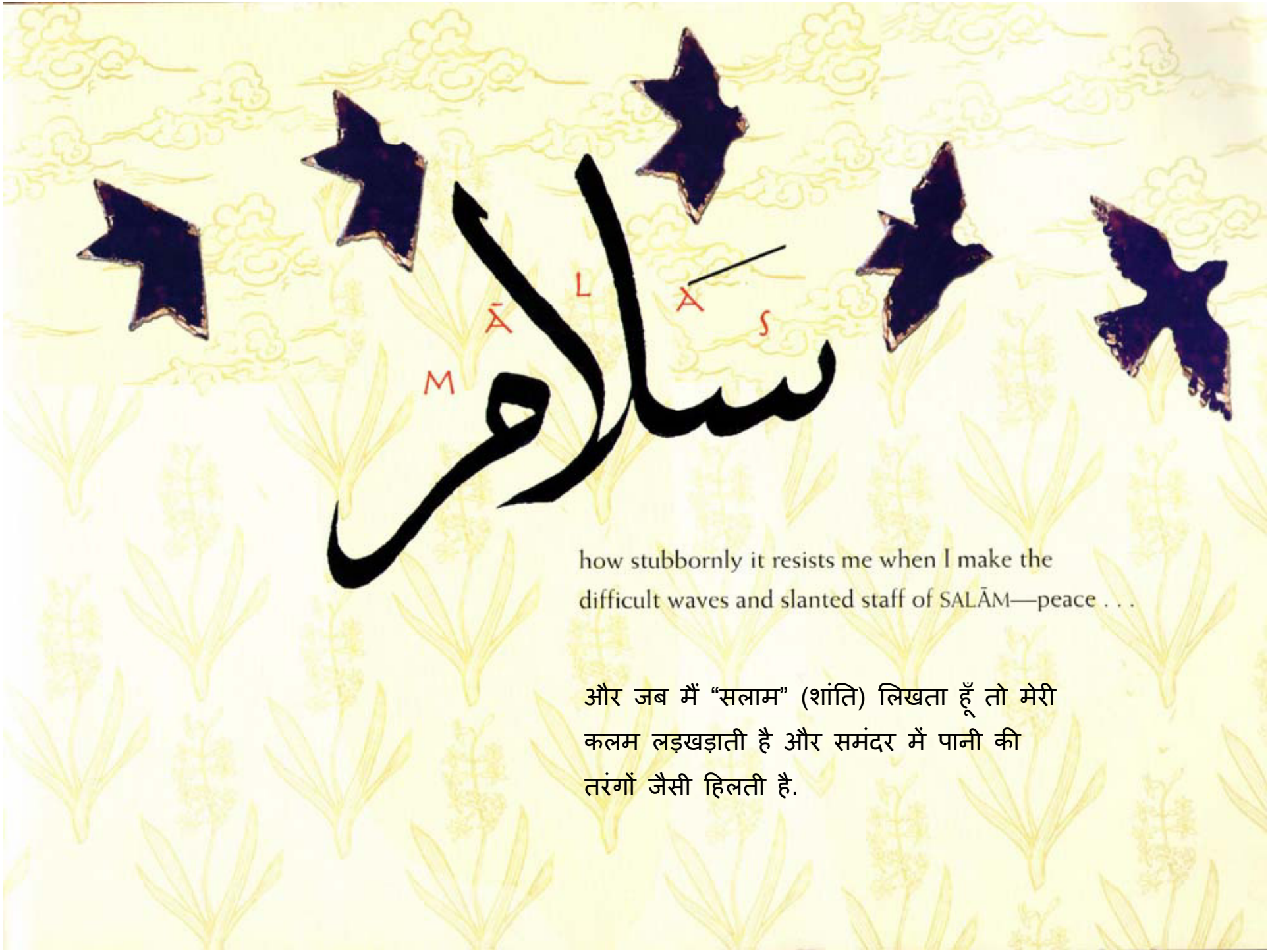

how stubbornly it resists me when I make the difficult waves and slanted staff of SALĀM—peace . . .

और जब मैं “सलाम” (शांति) लिखता हूँ तो मेरी कलम लड़खड़ाती है और समंदर में पानी की तरंगों जैसी हिलती है.

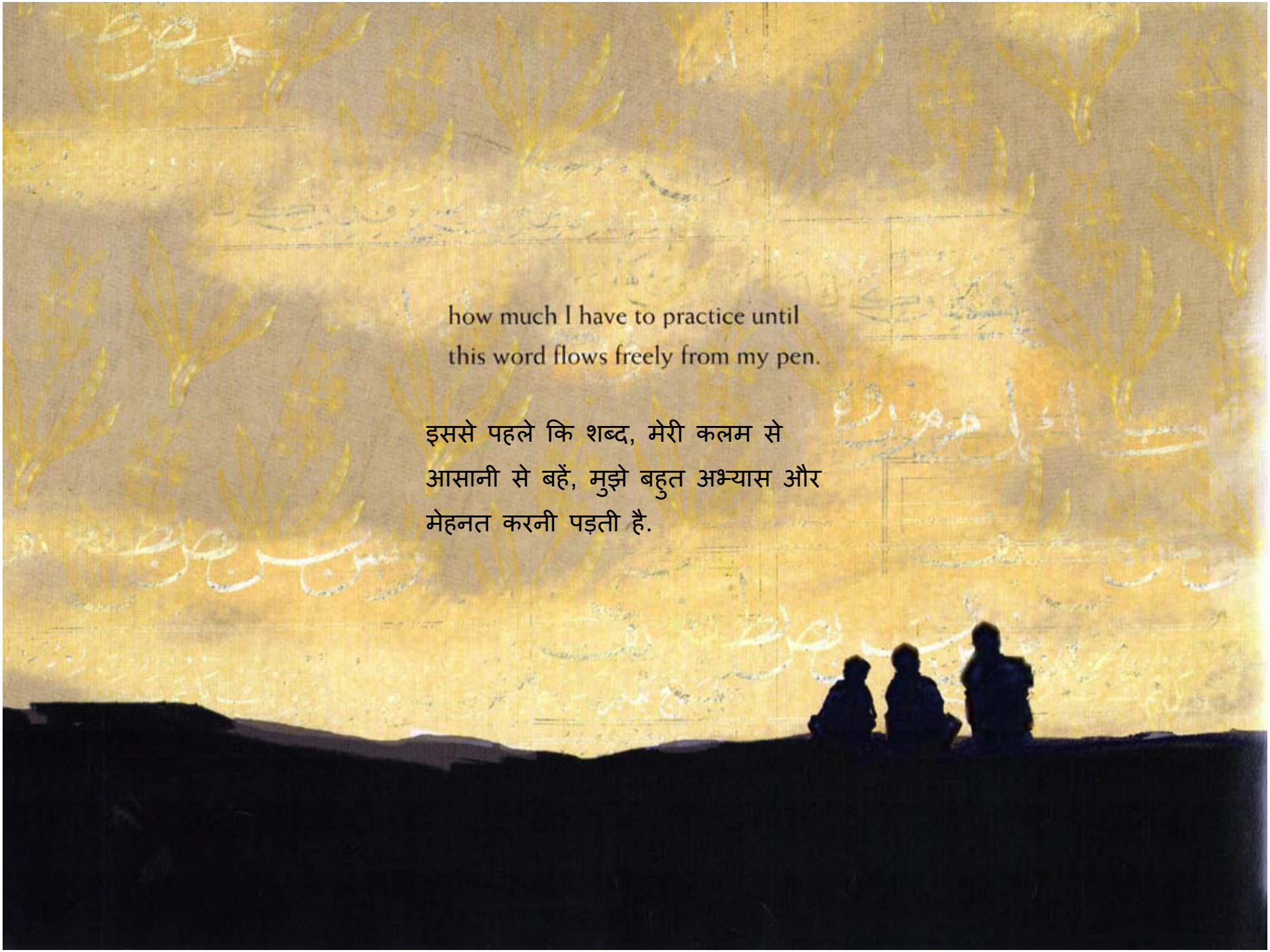
how much I have to practice until
this word flows freely from my pen.
इससे पहले कि शब्द, मेरी कलम से
आसानी से बहें, मुझे बहुत अभ्यास और
मेहनत करनी पड़ती है.

سلام

लेखक का नोट

कैलीग्राफी – या अक्षर चित्र बनाने की कला, इस्लामिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण भाग है. मुस्लिम लोग अपनी पवित्र पुस्तक कुरान को, अत्यधिक सुन्दर बनाने का प्रयास करते हैं. वो कैलीग्राफी से अपनी मस्जिदों और पवित्र स्थानों को सज़ाते हैं. अरबी कैलीग्राफी शायद इसलिए इतनी खूबसूरत हैं क्यूंकि उसमें बहुत से अक्षर आपस में जुड़कर कोई शब्द बनाते हैं. इस वजह से अक्षर, कागज़ पर जादुई तरीके से तैरते हुए नज़र आते हैं. अरबी लिपि के छल्ले, बिंदियाँ और मीनारें इस सुन्दरता को और निखारती हैं. इसलिए अरबी की लिखाई, किसी संगीत के पन्ने जैसी दिखती है.

AUTHOR'S NOTE

Calligraphy, or the art of drawing letters, is an important part of Islamic culture. Muslims use calligraphy to make their holy book, the Qur'an (core-awn), look as beautiful as possible. They also use it to decorate their mosques and other holy places. Part of what makes Arabic calligraphy so beautiful is the fact that many of the letters are joined together. In this way, the words seem to glide across the page in a magical rhythm. The dots and the tall "masts" also add to this rhythm, so that a page of Arabic writing looks like a page of music.

पुस्तक में जिस कैलीग्राफर "याकुत" का ज़िक्र है उनका पूरा नाम था याकुट अल-मुस्तासिमी. उनका जन्म 1221 के आसपास इथियोपिया या फिर तुर्की में हुआ था, और उनकी मृत्यु 1298 में, बग़दाद शहर में हुई. उनके जीवन के बारे में, कुछ कहानियां मशहूर हैं – जैसे बग़दाद के भयानक हमले में वो मीनार में जा छिपे. पर इन छोटी जानकारियों के अलावा दुनिया के सबसे मशहूर कैलीग्राफर की ज़िन्दगी के बारे में हम बहुत कम जानते हैं. "याकुत" की कैलीग्राफी के कुछ नमूने लोगों ने, आज भी बहुत प्यार से संजो कर रखे हैं. नीचे याकुत के हस्ताक्षर हैं.

The calligrapher mentioned in the story was Yakut (Yaqut) al-Musta'simi. He was born around 1221 in either Ethiopia or modern-day Turkey and died in Baghdad in 1298. Other than these few facts and the story that he fled to a high tower to write during the destruction of Baghdad, little is known about the life of the man who was one of the greatest calligraphers of the Arabic language. People have so treasured his writing that a few samples of his calligraphy still survive. His signature appears below.